बर्थडे पर मंदिर पहुंची रूपाली गांगुली के फैन ने छुए पैर

अनुपमा फेम रूपाली गांगुली ने 5 अप्रैल को अपना 45वां जन्मदिन मनाया है। इस दौरान उन्होंने अपना पूरा दिन पति और बच्चे रुद्रांश के साथ बिताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से वह अपना बर्थडे सेलिब्रेट नहीं कर पाईं क्योंकि पिछले साल कोविड था और उसके पिछले साल लॉकडाउन लगा था। इसलिए इस बार वह सेलिब्रेशन कर रही हैं। इस दिन वह वह मंदिर भी गईं। वहां उन्हें पैपाराजी ने इस्कॉन मंदिर के बाहर स्पॉट भी किया। जहां उनका उनके एक फैन ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनका पैर भी छुआ। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंदिर के बाहर रूपाली गांगुली पति और बेटे के साथ स्पॉट की गईं। यहां जैसे ही उन्हें पैपाराजी ने चारों तरफ से घेर लिया, तभी उनमें से एक ने आकर रूपाली गांगुली का झट से पैर छू लिया। हालांकि ऐक्ट्रेस ने उन्हें आशीर्वाद दिया। कहा– गॉड ब्लेस यू। इसके बाद अपने पति को बताया कि उनकी जो फेवरेट फोटो है, वह इसी ने क्लिक की थी। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैन्स कमेंट सेक्शन में भी उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दे रहे हैं। कुछ ने उन्हें हीरा बताया, तो कुछ ने बाल्टी भर–भरकर तारीफ कर दी।

मुझे लगा वे मुख्यमंत्री बनने के बाद बदल गए होंगे लेकिन..

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से सिंगर मीका सिंह मंगलवार को मुलाकात की। मीका सिंह ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर इस बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने पंजाब सीएम की तारीफ करते हुए एक पोस्ट भी शेयर किया। मीका सिंह ने कहा, श्माननीय मुख्यमंत्री और हमारे आदरणीय भगवंत मान जी से मिलकर बहुत अच्छा लगा। वह एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक कलाकार के रूप में की है और जिंदगी में काफी उतार–चढ़ाव देखे। सिंगर मीका सिंह ने सीएम भगवंत मान को लेकर आगे लिखा, वह एक सफल कलाकार रहे। फिर उन्होंने राजनीति में अपना करियर शुरू किया। मुझे पहले लग रहा था कि वह सीएम बनने के बाद वह बदल गए होंगे लेकिन वो अभी भी वही आदमी हैं। पंजाब की मिट्टी से जुड़े हुए इंसान। आपका बहुत बहुत शुक्रिया अपना कीमती समय देने के लिए।
बता दें सीएम भगवंत मान कमीडियन और ऐक्टर रह चुके हैं।साल 2008 में उन्होंने द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज में हिस्सा लिया। वह नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म मैं मां पंजाब दे में भी हिस्सा रहे हैं। साल 2011 में भगवंत मान ने राजनीति में कदम रखा। फिर साल 2014 में उन्होंने अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया।

कश्मीरी पंडित संजय सूरी ने झेला है नरसंहार का दर्द

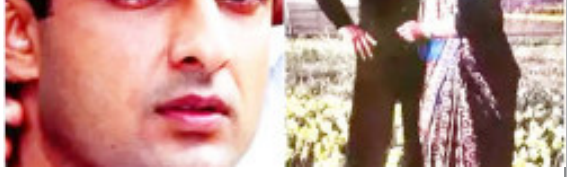

बॉलिवुड ऐक्टर और प्रड्यूसर संजय सूरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने–माने स्टार हैं। उन्होंने 1999 में प्यार में कभी कभी फिल्म से ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने कई फिल्मों में सपोर्टिव रोल्स निभाए, लेकिन उन्हें 2003 में रिलीज हुई श्झनकार बीट्सश ने पहचान दिलाई। वो दशकों से बॉलिवुड में अपना योगदान दे रहे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि संजय सूरी कश्मीरी पंडित हैं और उन्होंने व उनके परिवार ने 90 के दशक में कश्मीर में हुए नरसंहार का दर्द झेला है! क्या आप जानते हैं कि आंतकियों ने ऐक्टर के पिता की जान ले ली थी और उनकी फैमिली को मजबूरन पलायन करना पड़ा था! उन्होंने कई काली रातें जम्मू के रिफ्यूजी कैंप में भी काटी है। उनके रुपहले सफर के बारे में तो सभी जानते होंगे, लेकिन आइये अब उनकी जिंदगी के संघर्ष पर एक नजर डालते हैं। संजय सूरी का जन्म 6 अप्रैल 1971 को श्रीनगर, कश्मीर में हुआ था। उन्होंने वहां की खूबसूरत वादियों में अपनी जिंदगी के 19 साल बिताए हैं। वो वहीं के स्कूल में पढ़ाई करते थे और उन्हें स्क्वॉश टीम के शानदार प्लेयर थे। संजय सूरी की लाइफ में सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन 90 के दशक में उनके पिता की आतंकी हमले में जान चली गई। इसके बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई।

सुचित्रा सेन ने कमरे में कर लिया था खुद को कैद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बंगाली और हिंदी फिल्मों की जान कहे जाने वाली सुचित्रा सेन की 6 अप्रैल को जयंती है। आइए आज आपको बॉलिवुड की दमदार और खूबसूरत अदाकारा की निजी जिंदगी से अवगत करवाते हैं। वो सुचित्रा सेन जिन्होंने राज कपूर से लेकर सत्यजीत रे जैसे जाने माने निर्देशकों की फिल्मों को नकार दिया। एक समय ऐसा आया कि वह अपने भीतर चल रहे तूफान में ही धंसती गईं। सुचित्रा ने अपने सुपरहिट करियर को छोड़ अध्यात्म का रास्ता चुन लिया और आखिरी दिनों में अपना चेहरा कपड़े से ढक लिया। अंतिम क्षणों में भी उनका चेहरा उनके चाहने वालों को देखना नसीब नहीं हुआ। आइए आज आपको सुचित्रा की दर्दभरी आखिरी क्षणों की कहानी से रूबरू करवाते हैं।

आज सुचित्रा सेन हमारे बीच नहीं है। 82 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। सुचित्रा सेन ने श्देवदासश और आंधी जैसी फिल्मों से बॉलिवुड में अपनी धाक जमाई। साल 1972 में सुचित्रा सेन को पद्मश्री अवार्ड से भी नवाजा गया। इतना ही नहीं, साल 1963 में, वह पहली इंडियन ऐक्ट्रेस बनीं जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चकाचौंध में फंसती गईं सुचित्रा और परिवार में बढ़ती कलह
कहा जाता है कि सुचित्रा सेन अपने काम में इतना धंसती गई थीं कि उनका परिवार उनसे दूर होता गया। पति शराब की लत में डूबते जा रहे थे फिर एक समय ऐसा आया कि उनकी शादीशुदा जिंदगी में कलह बढ़ गई। सुचित्रा के पति दीबानाथ सब छोड़कर अमेरिका चले गए और वहीं साल 1970 में उन्होंने अंतिम सांसे ली। फिर यहां सुचित्रा भी तनाव में रहने लगी और एक दिन उन्होंने सब कुछ छोड़ने का फैसला लिया।

राजेश खन्ना के साथ सुचित्रा की फिल्म जो कभी बन नहीं पाईः
सुचित्रा की साल 1978 में आई प्रनोय पाशा फिल्म फ्लॉप हो गई। दूसरी तरफ राजेश खन्ना के साथ उनकी एक फिल्म पर काम चल

रहा था लेकिन फिर अचानक उन्होंने सब छोड़ने का फैसला और ये फिल्म भी अधर में रह गई और कभी बन ही नहीं पाई।

नहीं दिखाया किसी को फिर चेहरा
सुचित्रा ने ग्लैमरस दुनिया को अचानक अलविदा कह दिया। निजी जिंदगी में उनके साथ क्या हो रहा था ये तो किसी को नहीं पता लेकिन वह खुद में ही उलझ सही गई थीं। खुद को एक छोटे से कमरे में बंद कर लिया था और एक बिस्तर पर पड़ी रहीं। उन्होंने सख्ती से सभी को मना कर दिया था कि वह किसी से मिलना नहीं चाहती हैं। वह परिवार से भी नहीं मिलती थीं। एक बार उनकी नातिन राइमा ने बताया था कि वह कमरे से निकलती ही नहीं थीं। अगर वह कमरे से बाहर आती भी थीं तो चेहरे पर कपड़ा ठके रखती थीं। फिर एक समय ये आया कि उन्होंने रामकृष्ण आश्रम के भरत महाराज से अध्यात्म की राह पकड़ ली।

आखिरी बार कब देखा गया था सुचित्रा सेन को
रामकृष्ण आश्रम के भरत महाराज के निधन पर सुचित्रा सेन को आखिरी बार देखा गया था। उनके निधन पर वह नंगे पांव उनके मठ पहुंची थीं। साल 2005 में ऐलान सुचित्रा सेन को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने का ऐलान हुआ लेकिन उन्होंने अवॉर्ड सेरेमनी में जाने से मना कर दिया।

सुचित्रा सेन का निधन और अंतिम दिन
सुचित्रा सेन को लंग इंफेक्शन के चलते भर्ती करवाया गया। अंत में हार्ट अटैक के चलते उनका निधन हो गया। अस्पताल में भी उनकी प्राइवेसी का ध्यान दिया गया और उनका चेहरा हमेशा ढक के रखा जाता था। अंतिम संस्कार में भी सुचित्रा सेन के पार्थिव शरीर को पूरी तरह ढका गया था। लेकिन आजतक कभी ये सामने नहीं आया कि आखिर वह क्यों अपना चेहरा छिपा कर रखती थीं।

मोटर साइकिल वाले को देख सीना गर्व से चौड़ा हो गया: अनुपम खेर

बॉलिवुड ऐक्टर अनुपम खेर इन दिनों फिल्म श्द कश्मीर फाइल्स को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। वो सोशल मीडिया पर भी काफी ऐक्टिव हैं। वो कश्मीर और देश से जुड़े मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय रख रहे हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसे देखकर हर भारतवासी गर्व करेगा। ये वीडियो एक आम आदमी का है, जिसे देखकर खुद अनुपम ने भी अपनी गाड़ी के शीशे नीचे कर दिए और खुश होकर इस खास पल को कैमरे में कैद कर लिया।

अनुपम खेर ने इस वीडियो को लेकर जो लिखा है, पहले उसे पढ़िए– आज सुबह दिल्ली में शूटिंग पर जाते हुए मोटर साइकिल पर एक साधारण दिन भारत का तिरंगा देखकर सीना गर्व से चौड़ा हो गया। भारत के 99.09 प्रतिशत लोग ऐसे ही हैं। तिरंगा दिल में लिए घूमते है। बाकी .01 प्रतिशत लोग दुखी आत्मायें है।

बाइक सवार से अनुपम ने की बातचीत
वीडियो को देखकर लग रहा है कि अनुपम खेर किसी ट्रैफिक सिग्नल पर रुके हैं। जैसे ही वो देखते हैं कि एक बाइक सवार ने गाड़ी पर तिरंगा लगाया हुआ है, वो खुद को रोक नहीं पाते हैं और गाड़ी के शीशे नीचेकर वीडियो बनाने लगते हैं। अनुपम को अपने सामने देख पहले तो बाइक राइडर चौंक जाता है। फिर बड़े ही प्यार से ऐक्टर के सवालों का जवाब देता है।

तिरंगा देख गर्व से सीना हुआ चौड़ा
अनुपम खेर उस शख्स से पूछते हैं कि कबसे तिरंगे को बाइक पर लगाकर घूम रहे हो तो उसने बताया कि जब वो बाइक चलाता है, तब झंडा लगा रहता है। ये सुनकर अनुपम खेर का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। वो उस शख्स की तारीफ करते हैं और उसका नाम भी पूछते हैं। जाते–जाते उसे ऑल द बेस्ट भी बोलते हैं।

द कश्मीर फाइल्स में आए थे नजर
बता दें कि अनुपम खेर को पिछले महीने रिलीज हुई विवेक अग्निहोत्री की मूवी द कश्मीर फाइल्स में देखा गया था। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार सहित कई कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है। इसमें 90 के दशक में कश्मीरी पंडितों के साथ हुई बर्बरता को दिखाया गया है, जहां रातों–रात उन्हें दूसरे राज्यों में जाकर शरण लेनी पड़ी थी और वहां भी कई परेशानियां झेली थीं।